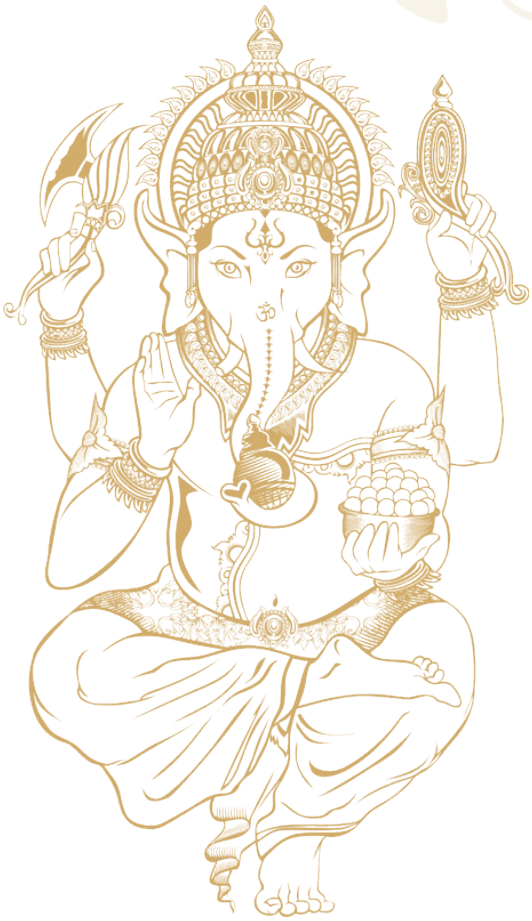

Mr.Nitin Luthra

29 Jul 1972

06:45 PM

Delhi

Model: Web-VarshKundli

Order No: 119869901

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
29/07/1972	जन्म तिथि	**30/07/2025**
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 18:45:00	जन्म समय	08:34:19 घंटे
घटी 32:40:32	जन्म समय(घटी)	07:12:10 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:40:47	सूर्योदय	05:41:26
19:13:56	सूर्यास्त	19:13:10
23:28:43	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:56
मकर	लग्न	सिंह
शनि	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कुम्भ	राशि	कन्या
शनि	राशि-स्वामी	बुध
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	हस्त
गुरु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	2
शोभन	योग	सिद्ध
बव	करण	कौलव
सो-सोमनाथ	जन्म नामाक्षर	ष-षटतिला
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मेष
53	गत/तत्कालिक वर्ष	54

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ	ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढ़ा	3	05:58:30	मक		लग्न		सिंह	19:20:58	2	पू०फाल्गुनी
पुष्य	3	13:01:00	कर्क		सूर्य		कर्क	13:00:59	3	पुष्य
पू०भाद्रपद	2	23:28:00	कुंभ		चंद्र		कन्या	16:38:51	2	हस्त
आश्लेषा	3	26:04:06	कर्क	अ	मंगल		कन्या	00:56:04	2	उ०फाल्गुनी
आश्लेषा	4	27:59:34	कर्क	व अ	बुध	व अ	कर्क	16:10:34	4	पुष्य
मूल	2	06:06:25	धनु	व	गुरु		मिथु	17:05:44	4	आर्द्रा
मृगशिरा	3	01:29:19	मिथु		शुक्र		मिथु	04:35:13	4	मृगशिरा
मृगशिरा	1	23:34:27	वृष		शनि	व	मीन	07:28:43	2	उ०भाद्रपद
उत्तराषाढ़ा	2	02:31:31	मक	व	राहु		कुंभ	24:49:16	2	पू०भाद्रपद
पुनर्वसु	4	02:31:31	कर्क	व	केतु		सिंह	24:49:16	4	पू०फाल्गुनी
हस्त	4	21:20:01	कन्या		मु		मिथु	05:58:30	4	मृगशिरा

वर्ष - विवरण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:56

लग्न-चलित

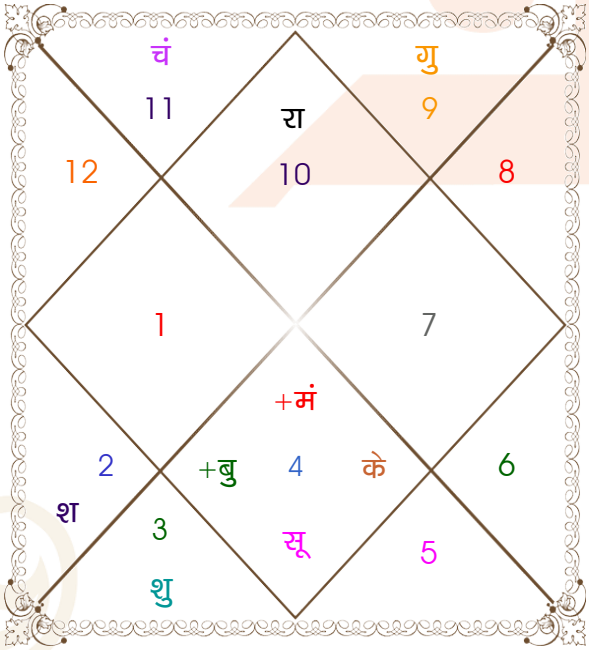

वर्ष लग्न कुंडली

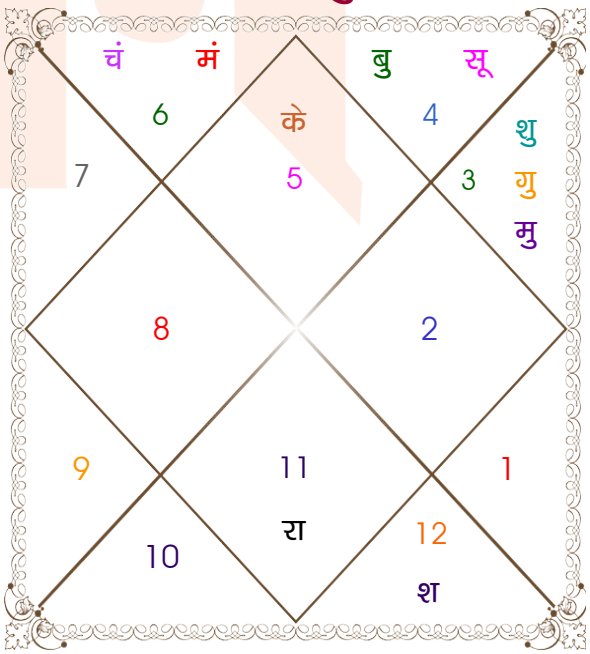

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

चन्द्र कुंडली

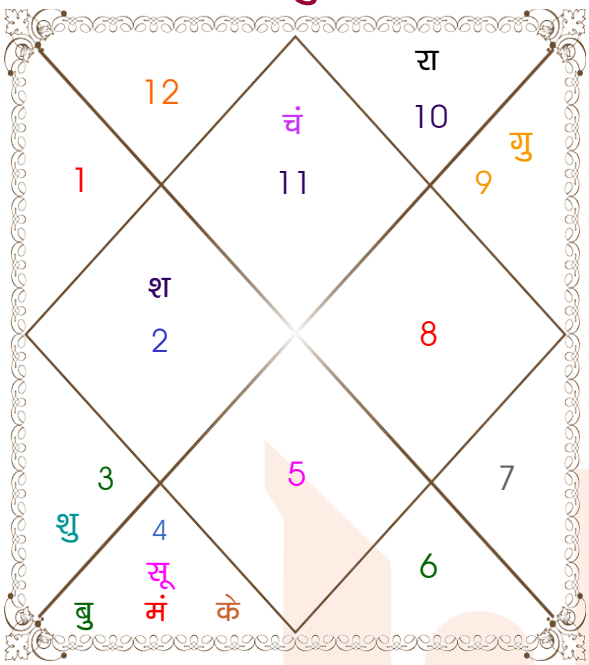

वर्ष चन्द्र कुंडली

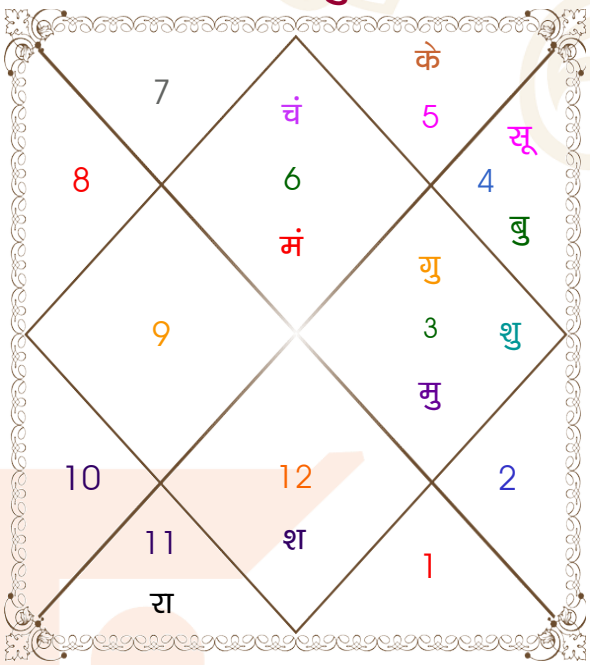

नवमांश कुंडली

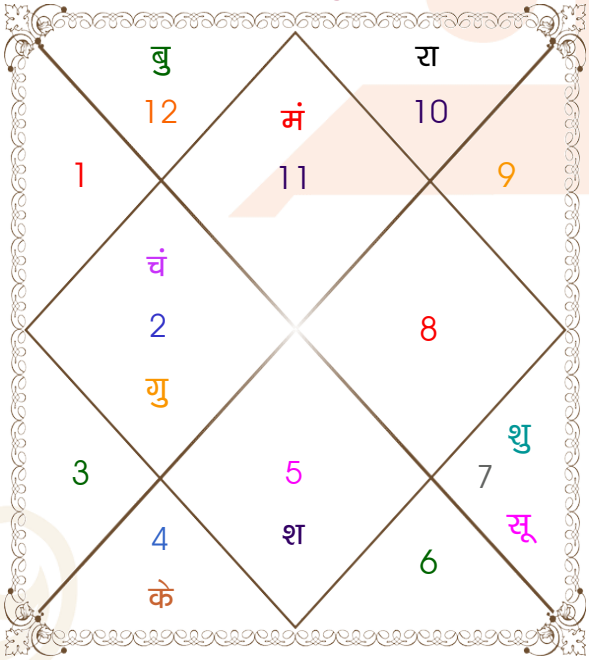

वर्ष नवमांश कुंडली

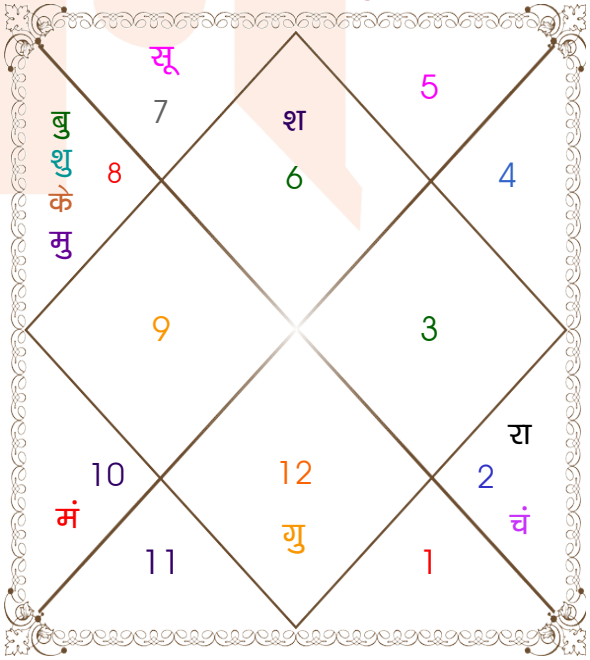

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम	मित्र
चन्द्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
बुध	शत्रु	मित्र	मित्र	---	सम	सम	मित्र
गुरु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	---	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	कर्क	कन्या	कन्या	कर्क	मिथु	मिथु	मीन
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	धनु	कन्या	वृष	सिंह	कन्या	मेष	धनु	मक
चतुर्थांश	कुंभ	तुला	मीन	कन्या	मक	धनु	मिथु	मीन
पंचमांश	मिथु	मीन	मीन	वृष	मीन	धनु	मेष	कन्या
षष्ठांश	कर्क	धनु	मक	तुला	मक	कर्क	मेष	वृश्चि
सप्तमांश	धनु	मेष	मिथु	मीन	मेष	कन्या	कर्क	तुला
अष्टमांश	मक	कर्क	कन्या	वृष	सिंह	कन्या	मिथु	मिथु
नवमांश	कन्या	तुला	वृष	मक	वृश्चि	मीन	वृश्चि	कन्या
दशमांश	कुंभ	कर्क	तुला	वृष	सिंह	वृश्चि	कर्क	मक
एकादशांश	कुंभ	तुला	कुंभ	सिंह	वृश्चि	वृश्चि	मिथु	मेष
द्वादशांश	मीन	धनु	मीन	कन्या	मक	धनु	कर्क	वृष

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	सम	सम	शत्रु
होरा	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
द्रेष्काण	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	सम	शत्रु
पंचमांश	सम	शत्रु	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
सप्तमांश	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु
अष्टमांश	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र
नवमांश	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र
दशमांश	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्व
एकादशांश	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु
द्वादशांश	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु
शुभ	5	4	5	8	4	0	5
सम	6	0	0	1	3	5	0
अशुभ	1	8	7	3	5	7	7
कुल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	5	0	0	5	0	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	5	5	0	15	0	5
बल	सामान्य	क्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	बली	अतिक्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	22.50	22.50	22.50	15.00	15.00	7.50
उच्च बल	9.66	5.15	3.66	13.46	18.01	12.49	4.72
हददा बल	3.75	11.25	11.25	15.00	3.75	7.50	3.75
द्रेष्काण	2.50	2.50	7.50	10.00	2.50	2.50	10.00
नवमांश	2.50	1.25	1.25	3.75	5.00	1.25	3.75
कुल	40.91	42.65	46.16	64.71	44.26	38.74	29.72
विंशोपक	10.23	10.66	11.54	16.18	11.07	9.69	7.43
बल	शुभ	शुभ	शुभ	बली	शुभ	सामान्य	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शनि	7.43	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	10.23	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	16.18	दृष्टि नहीं	गुरु
दिवापति	चंद्र	10.66	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	गुरु	11.07	शुभ	

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पात्यंश दशा

मंगल		शुक्र		शनि		सूर्य		बुध	
30/07/2025		16/08/2025		24/10/2025		18/12/2025		02/04/2026	
16/08/2025		24/10/2025		18/12/2025		02/04/2026		31/05/2026	
मंगल	31/07/2025	शुक्र	30/08/2025	शनि	02/11/2025	सूर्य	17/01/2026	बुध	11/04/2026
शुक्र	03/08/2025	शनि	09/09/2025	सूर्य	17/11/2025	बुध	03/02/2026	चंद्र	13/04/2026
शनि	06/08/2025	सूर्य	29/09/2025	बुध	26/11/2025	चंद्र	06/02/2026	गुरु	14/04/2026
सूर्य	11/08/2025	बुध	10/10/2025	चंद्र	27/11/2025	गुरु	08/02/2026	लग्न	21/04/2026
बुध	14/08/2025	चंद्र	11/10/2025	गुरु	29/11/2025	लग्न	20/02/2026	मंगल	24/04/2026
चंद्र	14/08/2025	गुरु	13/10/2025	लग्न	05/12/2025	मंगल	25/02/2026	शुक्र	05/05/2026
गुरु	14/08/2025	लग्न	21/10/2025	मंगल	08/12/2025	शुक्र	17/03/2026	शनि	14/05/2026
लग्न	16/08/2025	मंगल	24/10/2025	शुक्र	18/12/2025	शनि	02/04/2026	सूर्य	31/05/2026

चंद्र		गुरु		लग्न		लग्न		लग्न	
31/05/2026		09/06/2026		18/06/2026		18/06/2026		18/06/2026	
09/06/2026		18/06/2026		30/07/2026		30/07/2026		30/07/2026	
चंद्र	31/05/2026	गुरु	09/06/2026	लग्न	23/06/2026	लग्न	23/06/2026	लग्न	23/06/2026
गुरु	01/06/2026	लग्न	10/06/2026	मंगल	25/06/2026	मंगल	25/06/2026	मंगल	25/06/2026
लग्न	02/06/2026	मंगल	11/06/2026	शुक्र	03/07/2026	शुक्र	03/07/2026	शुक्र	03/07/2026
मंगल	02/06/2026	शुक्र	12/06/2026	शनि	09/07/2026	शनि	09/07/2026	शनि	09/07/2026
शुक्र	04/06/2026	शनि	14/06/2026	सूर्य	21/07/2026	सूर्य	21/07/2026	सूर्य	21/07/2026
शनि	05/06/2026	सूर्य	16/06/2026	बुध	28/07/2026	बुध	28/07/2026	बुध	28/07/2026
सूर्य	08/06/2026	बुध	17/06/2026	चंद्र	29/07/2026	चंद्र	29/07/2026	चंद्र	29/07/2026
बुध	09/06/2026	चंद्र	18/06/2026	गुरु	30/07/2026	गुरु	30/07/2026	गुरु	30/07/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मुद्दा दशा

राहु		गुरु		शनि		बुध		केतु	
30/07/2025		23/09/2025		10/11/2025		07/01/2026		28/02/2026	
23/09/2025		10/11/2025		07/01/2026		28/02/2026		21/03/2026	
राहु	07/08/2025	गुरु	29/09/2025	शनि	20/11/2025	बुध	15/01/2026	केतु	01/03/2026
गुरु	14/08/2025	शनि	07/10/2025	बुध	28/11/2025	केतु	18/01/2026	शुक्र	05/03/2026
शनि	23/08/2025	बुध	14/10/2025	केतु	01/12/2025	शुक्र	26/01/2026	सूर्य	06/03/2026
बुध	31/08/2025	केतु	17/10/2025	शुक्र	11/12/2025	सूर्य	29/01/2026	चंद्र	08/03/2026
केतु	03/09/2025	शुक्र	25/10/2025	सूर्य	14/12/2025	चंद्र	02/02/2026	मंगल	09/03/2026
शुक्र	12/09/2025	सूर्य	27/10/2025	चंद्र	18/12/2025	मंगल	05/02/2026	राहु	12/03/2026
सूर्य	15/09/2025	चंद्र	31/10/2025	मंगल	22/12/2025	राहु	13/02/2026	गुरु	15/03/2026
चंद्र	19/09/2025	मंगल	03/11/2025	राहु	30/12/2025	गुरु	20/02/2026	शनि	18/03/2026
मंगल	23/09/2025	राहु	10/11/2025	गुरु	07/01/2026	शनि	28/02/2026	बुध	21/03/2026

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		मंगल	
21/03/2026		21/05/2026		08/06/2026		09/07/2026		09/07/2026	
21/05/2026		08/06/2026		09/07/2026		30/07/2026		30/07/2026	
शुक्र	31/03/2026	सूर्य	22/05/2026	चंद्र	11/06/2026	मंगल	10/07/2026	मंगल	10/07/2026
सूर्य	03/04/2026	चंद्र	24/05/2026	मंगल	13/06/2026	राहु	13/07/2026	राहु	13/07/2026
चंद्र	08/04/2026	मंगल	25/05/2026	राहु	17/06/2026	गुरु	16/07/2026	गुरु	16/07/2026
मंगल	12/04/2026	राहु	27/05/2026	गुरु	21/06/2026	शनि	19/07/2026	शनि	19/07/2026
राहु	21/04/2026	गुरु	30/05/2026	शनि	26/06/2026	बुध	22/07/2026	बुध	22/07/2026
गुरु	29/04/2026	शनि	02/06/2026	बुध	30/06/2026	केतु	24/07/2026	केतु	24/07/2026
शनि	09/05/2026	बुध	04/06/2026	केतु	02/07/2026	शुक्र	27/07/2026	शुक्र	27/07/2026
बुध	18/05/2026	केतु	05/06/2026	शुक्र	07/07/2026	सूर्य	28/07/2026	सूर्य	28/07/2026
केतु	21/05/2026	शुक्र	08/06/2026	सूर्य	09/07/2026	चंद्र	30/07/2026	चंद्र	30/07/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - शनि - शुक्र		केतु - शनि - सूर्य		केतु - शनि - चंद्र		केतु - शनि - मंगल	
18/09/2025 03:39		24/11/2025 14:56		14/12/2025 20:43		17/01/2026 14:21	
24/11/2025 14:56		14/12/2025 20:43		17/01/2026 14:21		10/02/2026 05:06	
शुक्र	29/09/2025 09:32	सूर्य	25/11/2025 15:13	चंद्र	17/12/2025 16:11	मंगल	18/01/2026 23:25
सूर्य	02/10/2025 18:30	चंद्र	27/11/2025 07:42	मंगल	19/12/2025 15:25	राहु	22/01/2026 12:25
चंद्र	08/10/2025 09:26	मंगल	28/11/2025 12:02	राहु	24/12/2025 16:51	गुरु	25/01/2026 15:59
मंगल	12/10/2025 07:54	राहु	01/12/2025 12:54	गुरु	29/12/2025 04:48	शनि	29/01/2026 09:43
राहु	22/10/2025 10:47	गुरु	04/12/2025 05:41	शनि	03/01/2026 13:00	बुध	01/02/2026 18:01
गुरु	31/10/2025 10:41	शनि	07/12/2025 10:35	बुध	08/01/2026 07:42	केतु	03/02/2026 03:04
शनि	11/11/2025 03:04	बुध	10/12/2025 07:25	केतु	10/01/2026 06:56	शुक्र	07/02/2026 01:32
बुध	20/11/2025 16:28	केतु	11/12/2025 11:45	शुक्र	15/01/2026 21:52	सूर्य	08/02/2026 05:52
केतु	24/11/2025 14:56	शुक्र	14/12/2025 20:43	सूर्य	17/01/2026 14:21	चंद्र	10/02/2026 05:06

केतु - शनि - राहु		केतु - शनि - गुरु		केतु - बुध - बुध		केतु - बुध - केतु	
10/02/2026 05:06		11/04/2026 22:27		04/06/2026 21:52		26/07/2026 05:22	
11/04/2026 22:27		04/06/2026 21:52		26/07/2026 05:22		16/08/2026 08:27	
राहु	19/02/2026 07:42	गुरु	19/04/2026 03:10	बुध	12/06/2026 04:20	केतु	27/07/2026 10:57
गुरु	27/02/2026 10:01	शनि	27/04/2026 16:16	केतु	15/06/2026 04:10	शुक्र	30/07/2026 23:28
शनि	09/03/2026 00:45	बुध	05/05/2026 07:47	शुक्र	23/06/2026 17:25	सूर्य	01/08/2026 00:49
बुध	17/03/2026 15:13	केतु	08/05/2026 11:21	सूर्य	26/06/2026 06:59	चंद्र	02/08/2026 19:04
केतु	21/03/2026 04:14	शुक्र	17/05/2026 11:16	चंद्र	30/06/2026 13:37	मंगल	04/08/2026 00:39
शुक्र	31/03/2026 07:07	सूर्य	20/05/2026 04:02	मंगल	03/07/2026 13:27	राहु	07/08/2026 04:43
सूर्य	03/04/2026 07:59	चंद्र	24/05/2026 15:59	राहु	11/07/2026 06:11	गुरु	10/08/2026 00:20
चंद्र	08/04/2026 09:26	मंगल	27/05/2026 19:33	गुरु	18/07/2026 02:23	शनि	13/08/2026 08:37
मंगल	11/04/2026 22:27	राहु	04/06/2026 21:52	शनि	26/07/2026 05:22	बुध	16/08/2026 08:27

केतु - बुध - शुक्र		केतु - बुध - सूर्य		केतु - बुध - चंद्र		केतु - बुध - मंगल	
16/08/2026 08:27		15/10/2026 17:17		02/11/2026 19:55		03/12/2026 00:20	
15/10/2026 17:17		02/11/2026 19:55		03/12/2026 00:20		24/12/2026 03:26	
शुक्र	26/08/2026 09:55	सूर्य	16/10/2026 15:01	चंद्र	05/11/2026 08:18	मंगल	04/12/2026 05:55
सूर्य	29/08/2026 10:22	चंद्र	18/10/2026 03:14	मंगल	07/11/2026 02:33	राहु	07/12/2026 09:59
चंद्र	03/09/2026 11:06	मंगल	19/10/2026 04:35	राहु	11/11/2026 15:13	गुरु	10/12/2026 05:36
मंगल	06/09/2026 23:37	राहु	21/10/2026 21:47	गुरु	15/11/2026 15:48	शनि	13/12/2026 13:53
राहु	16/09/2026 00:56	गुरु	24/10/2026 07:44	शनि	20/11/2026 10:30	बुध	16/12/2026 13:43
गुरु	24/09/2026 02:07	शनि	27/10/2026 04:33	बुध	24/11/2026 17:07	केतु	17/12/2026 19:18
शनि	03/10/2026 15:31	बुध	29/10/2026 18:08	केतु	26/11/2026 11:23	शुक्र	21/12/2026 07:49
बुध	12/10/2026 04:46	केतु	30/10/2026 19:29	शुक्र	01/12/2026 12:07	सूर्य	22/12/2026 09:10
केतु	15/10/2026 17:17	शुक्र	02/11/2026 19:55	सूर्य	03/12/2026 00:20	चंद्र	24/12/2026 03:26

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मासिक फलादेश

प्रथम मास
30/07/2025 08:34:19 से 30/08/2025 13:52:26 तक

इस मास में आपको शुभ फलों की अधिक मात्रा में प्राप्ति होगी। स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से धन लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा हृदय से भी पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी उन्नति करेंगे। इस समय मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वांछित पदार्थों का आप उपभोग करके प्रसन्न रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप शुभ फल ही प्राप्त करेंगे एवं सम्बन्धियों में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे। इस प्रकार यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदा कदा अशुभ फल भी होंगे।जिसके प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं एवं किसी कठोर कार्य को करने से सम्मान में अल्पता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अग्नि के द्वारा धन हानि की भी संभावना रहेगी।अतः बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

द्वितीय मास
30/08/2025 13:52:26 से 30/09/2025 08:51:24 तक

समान्य रूप से इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार से चोरी आदि की घटना भी घटित हो सकती है।साथ ही आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी का अनुभव करेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में अल्पता आएगी तथा स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। इससे शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। साथ ही आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे एवं मुकद्दमे आदि के कार्य में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी पूर्वक ऐसे समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे।अतः स्त्री तथा पुत्र संतति से सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी एवं अन्य प्रकार से भी शान्ति की अनुभूति करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

तृतीय मास
30/09/2025 08:51:24 से 30/10/2025 15:24:16 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
30/10/2025 15:24:16 से 29/11/2025 10:46:06 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पंचम् मास
29/11/2025 10:46:06 से 28/12/2025 23:02:40 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

षष्ठ मास
28/12/2025 23:02:40 से 27/01/2026 10:02:33 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगे। साथ ही सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इसको प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे संतति पक्ष से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक जनों के मध्य आप इस समय मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा आपके विलम्बित कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप धर्मानुपालन में भी प्रवृत रहेंगे एवं समाज में यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सप्तम् मास
27/01/2026 10:02:33 से 26/02/2026 01:52:37 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
26/02/2026 01:52:37 से 28/03/2026 03:30:41 तक

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुप क्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नवम् मास
28/03/2026 03:30:41 से 27/04/2026 17:28:28 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्य मान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
27/04/2026 17:28:28 से 28/05/2026 19:02:30 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज से आप यथोचित आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान मिलेगा एवं उनसे आप वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे तथा आपसे वे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग की आपको प्राप्ति होगी। साथ ही आपके अधिकांश शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों में भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। सन्तति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे आप वांछित सुख भी प्राप्त करेंगे। साथ ही बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्ति आपके पूर्व संकल्प भी इस मास में पूर्ण होंगे जिससे मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा धर्मानुपालन में भी आप तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

एकादश मास
28/05/2026 19:02:30 से 29/06/2026 04:13:35 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा फिर भी अल्प मात्रा में शुभ फल अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे तथा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे फलतः आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अत्यंत ही परिश्रम से सफल होंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर रहेंगे। शारीरिक रूप से भी आप दुर्बल रहेंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव अल्प ही रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप अल्प मात्रा में ही पूजन तथा सेवा करेंगे। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे तथा शरीर में दुर्बलता का भाव रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। आपके पारिवारिक कार्य भी इस समय असफल रहेंगे एवं मुकद्दमे आदि में धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने बुद्धिचातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सामान्य धन तथा सुखार्जन करके आप प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे।

द्वादश मास
29/06/2026 04:13:35 से 30/07/2026 14:47:54 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक तथा अन्य लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे।साथ ही आप धन एवं सुखोपभोग की सामग्री अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी इस समय सम्पन्न होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com